बी ए भूगोल पार्ट-१, पत्र-II, इकाई-III

प्रश्न: चीन की कृषि पर एक निबंध लिखें ।

उत्तर: चीन एक कृषि प्रधान देश है । यहां पर कृषि प्राचीन काल से होते चली आ रही है । चीन में कृषि भूमि लगभग 56.21% है परंतु कृषि योग्य मात्र 13% है । चीन की विशाल जनसंख्या को देखते हुए यह आंकड़े बहुत ही कम प्रतीत होते हैं । यहां पर प्रति व्यक्ति कृषि भूमि भी बहुत कम है ।

कृषि विकास

चीन में 1949 के पहले अधिकांश कृषि बहुत परंपरागत तरीके से और छोटे पैमाने पर जीवन निर्वाहन प्रकार का होती थी । परंतु 1949 में साम्यवादी सरकार की स्थापना के बाद यहां कृषि पर भी विशेष ध्यान दिया गया । अब चीन द्वारा अपने जनसंख्या की मांग पूर्ति के साथ ही विदेशों को भी निर्यात किया जाने लगा। इस प्रकार चीन विश्व का एक प्रमुख कृषि प्रधान देश बन गया है । इसके विकास के निम्नलिखित महत्वपूर्ण तत्व निम्नलिखित हैं

1. 1949 में साम्यवादी सरकार की स्थापना और कृषि क्षेत्र में सरकारी प्रयास
2. जमीन को जमींदारों से छीन कर किसानों में बांट देना
3. सरकारी कृषि का विकास
4. सामूहिक कृषि क्षेत्र में वृद्धि
5. कृषि यंत्रीकरण और कृषि में आधुनिक मशीनों का प्रयोग
6. प्रथम तथा द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि को विशेष महत्व
7. कृषि विकास के लिए 12 वर्षीय कृषि योजना 1952-1967

सिंचाई

चीन में पहले अधिकांश कृषक वर्षा पर निर्भर थे और इस कारण उनकी कृषि में भी लगातार अनिश्चितता बनी रहती थी परंतु बाद में सिंचाई का पर्याप्त विकास किया गया और आज लगभग 50% से अधिक भाग सिंचित है । चीन में सिंचाई के प्रमुख साधन है

कुएं - उत्तरी चीन में अधिक मिलते हैं ।

तालाब - तलाब द्वारा चीन के दक्षिणी भाग में सिंचाई की जाती है ।

सिंचाई का साधन	सिंचित भूमि का प्रतिशत
कुंए	50%
तालाब	35%
नहर	15%

नहर - नहरों द्वारा चीन की नदियों के बेसिन में सिंचाई की जाती है । नहरों द्वारा सबसे अधिक सिंचाई सेचवान, कांसू, हन्नान, शान्तुंग और क्यांग्सू प्रांतों में की जाती है ।

मिट्टी

चीन में अनेक विशाल नदियां हैं और उनके बेसिन में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है और इसी कारण चीन में कृषि उत्पादकता में मिट्टियों की महत्वपूर्ण भूमिका है । सबसे अधिक 89% लोएस और जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है ।

चीन की कृषि विशेषताएं

कृषि चीन के लोगों का प्रमुख व्यवसाय है और लगभग 27% जनसंख्या कृषि कार्य में संलग्न है । हालांकि चीन में कृषि भूमि मात्र 13% ही है लेकिन फिर भी चीनी किसान इतने कम भूमि पर भी बहुत अधिक उत्पादन कर लेते हैं जिसके निम्नलिखित कारण है:

1.एक ही खेत में कई प्रकार के फसलों का गाना जैसे गेहूं जो सोयाबीन साथ में हरी सब्जी का भी पैदावार । इस प्रकार चीन में एक बगीचे की तरह होते हैं।
2. गहन निर्वाहन गहन कृषि कम से कम भूमि पर अधिक से अधिक उत्पादन
3. जैविक खादों का प्रयोग
4. एक ही खेत में 1 वर्ष में तीन फसलों का उत्पादन
5. खेत की मेड़ों पर सब्जी तथा फल का उत्पादन
6. पहाड़ों पर सीढ़ी नुमा खेती
7. अयोग्य कृषि भूमि पर उपजाऊ तथा दलदली भागों से मिट्टी लाकर के खेती करना
8. खेतों की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्राचीन विधियों का प्रयोग
9. नवीन अनुसंधान के द्वारा कृषि विकास
10. आधुनिक कृषि प्रणाली का विकास

प्रमुख कृषि उत्पाद

चीन में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलों का उत्पादन होता है:

खाद्य फसल – चावल, गेहूं, सोयाबीन, जौ, ज्वार-बाजरा आदि

व्यापारिक फसल – कपास, चाय, रेशम आदि

चावल

चावल एशिया के साथ-साथ चीन की भी जनसंख्या का प्रमुख भोजन है । यह विश्व का सबसे अधिक चावल उत्पादक देश है । कुल कृषि योग्य भूमि के 25% भाग पर चावल उत्पन्न किया जाता है ।

प्रमुख क्षेत्र - दक्षिण पूर्व तटीय प्रदेश, सेचवान बेसिन, यांगटीसीक्यंग डेल्टा

चीन में एक ही खेत में दो बार चावल का उत्पादन कर लिया जाता है । आधुनिक मशीनों का भी प्रयोग किया जाता है और इसीलिए चीन में प्रति हेक्टेयर चावल का उत्पादन सर्वाधिक है ।

गेहूं

गेहूं भी चीन की प्रमुख खाद्य फसल है । यह विश्व का 16% और एशिया का 32% गेहूं उत्पन्न करता है। चीन की कृषि योग्य भूमि का 25% भाग पर गेहूं का उत्पादन होता है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र – हवांग-हो घाटी, वीहो घाटी, यांटीसिक्यांग घाटी</u>

चीन में बसंत कालीन और शरद कालीन दोनों प्रकार के गेहूं की खेती होती है । चीन के हुनान प्रांत में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन किया जाता है ।

सोयाबीन

चीन विश्व में सबसे अधिक सोयाबीन का उत्पादन करता है । इसकी कृषि प्राचीन काल से होती आ रही है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र - उत्तरी चीन, मंचूरिया</u>

वैसे चीन के लगभग सभी प्रांतों में सोयाबीन उत्पन्न किया जाता है । यहां इसका प्रयोग तिलहन के रूप में होता है । चीन देश के देश की मांग के साथ-साथ विश्व में भी सोयाबीन का निर्यात करता है । चीन की कुल कृषि भूमि के 12% भाग पर उत्पन्न किया जाता है ।

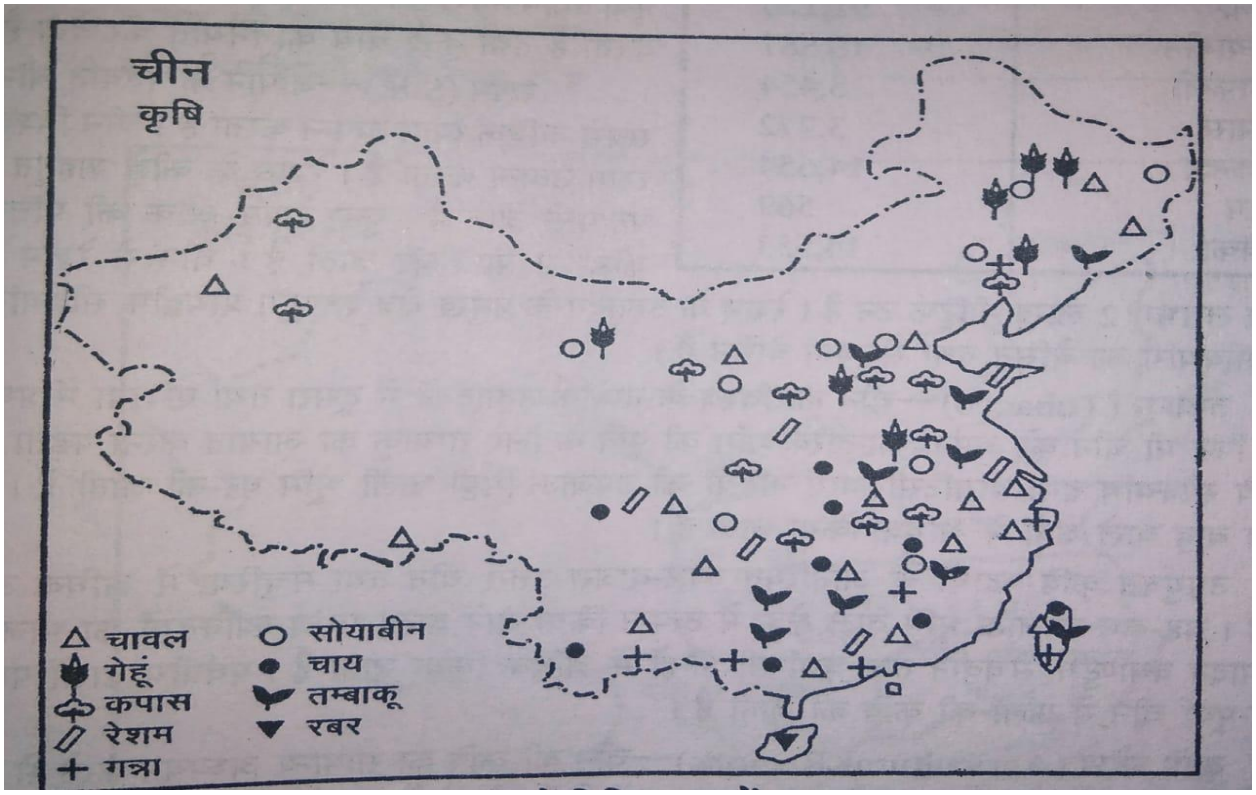

चित्र: चीन में विभिन्न फसलों का उत्पादन (एशिया का भूगोल, चतुर्भुज ममोरिया)

कपास

पूरे विश्व में चीन सबसे अधिक कपास का उत्पादन करता है । संसार का लगभग 37% कपास उत्पादन करता है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र - उत्तरी चीन तथा मध्य चीन</u>

वीहो नदी घाटी, उत्तरी चीन के विशाल मैदान, सेचवान बेसिन, मध्य यांगटीसीक्यांग घाटी, यांगटीसीक्यांग का मुहाना, लोएस पठार इत्यादि

सूती वस्त्र कपास से ही बनाए जाते हैं और यही कारण है कि पूरे विश्व में सबसे अधिक सूती वस्त्र उत्पादन चीन ही करता है ।

चाय

चीन चाय की जन्मभूमि है । चीन की कुल कृषि भूमि के लगभग 5% भाग पर चाय का उत्पादन किया जाता है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र - सेचवान बेसिन, यांगटीसीक्यांग घाटी, दक्षिण पूर्व पर्वतीय ढाल तथा पूर्वी तटीय प्रदेश</u>

यहां विश्व की लगभग 30% चाय का उत्पादन और निर्यात किया जाता है ।

रेशम

चीन सबसे अधिक रेशम का उत्पादन करता है । यह पूरे विश्व का 25% रेशम उत्पन्न करता है । रेशम के कीड़ों को शहतूत और ओक की पत्तियों पर पाला जाता हैं ।

<u>प्रमुख क्षेत्र – शांतुंग प्रायद्वीप, सिक्यांग की घाटी, सेचवान बेसिन, यांगटीसीक्यांग घाटी</u>

तंबाकू

तंबाकू टीम का पूरे विश्व में तंबाकू उत्पादन में प्रथम स्थान है परंतु चीन को अपनी मांगों की पूर्ति के लिए तंबाकू का आयात करना पड़ता है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र – सिक्यांग की घाटी, यांगटीसीक्यांग घाटी</u>

तंबाकू का उत्पादन बाढ़ वाले क्षेत्रों में अधिक किया जाता है ।

प्रमुख फसल	उत्पादन (MT)	वर्ष	विश्व में स्थान
गेहूं	130	2016-17	1ST
चावल	207	2014	1ST
गन्ना	126	2013	
सोयाबीन	18	2019	
मूंगफली	17	2013	1ST
कपास	7.62	2012	1ST
चाय	2.8	2019	1ST
चुकंदर	11.74	2012	

चीन 2019 में 664 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन के साथ विश्व में पहले स्थान पर है ।

अन्य फसलें

उपरोक्त कृषि पदार्थों के अतिरिक्त चीन में निम्नलिखित फसलों का उत्पादन किया जाता है:

ज्वार बाजरा - उत्तरी चीन तथा मंचूरिया में । यह कम उम्र में भी उत्पन्न होता है तथा गरीब लोगों का भोजन है ।

गन्ना - कौन से प्रांत

आलू - पर्वतीय डालो पर

फल - दक्षिण पूर्वी चीन में

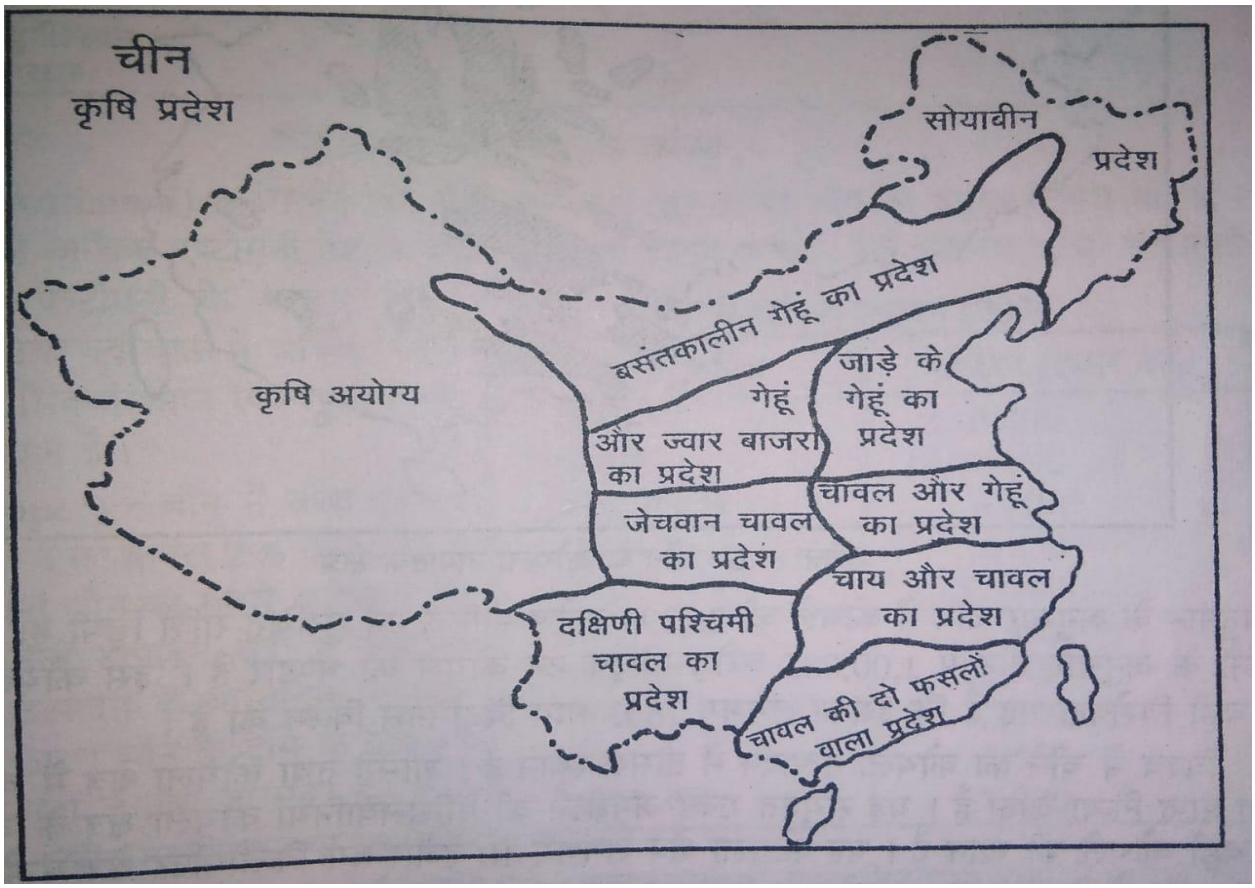

चित्र: चीन के कृषि प्रदेश (एशिया का भूगोल, चतुर्भुज मामोरिया)

इस प्रकार स्पष्ट है कि चीन में खाद्य फसलों के साथ-साथ व्यापारिक फसलों का भी पर्याप्त मात्रा में उत्पादन और निर्यात किया जाता है और इसीलिए चीन कृषि क्षेत्र में भी एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है । आज चीन विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक और उपभोक्ता है ।

सन्दर्भ: चतुर्भुज ममोरिया, एशिया का भूगोल.

बोलेन्द्र कुमार अगम, सहायक प्राध्यापक भूगोल, राजा सिंह कॉलेज सिवान